कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 242 कानपुर, सोमवार 04 मार्च 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कुलपति ने वन्य जीवों के प्रति जताई संवेदना सुरक्षा हेतु दिया संदेश

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था।इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम 卐लोगों और ग्रह को जोड़ना- वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज卐 है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

जीव जंतुओं के संरक्षण को लेकर कुलपति ने प्रतिबद्धता जताई

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था।इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम 'लोगों और ग्रह को जोड़ना- वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज' है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

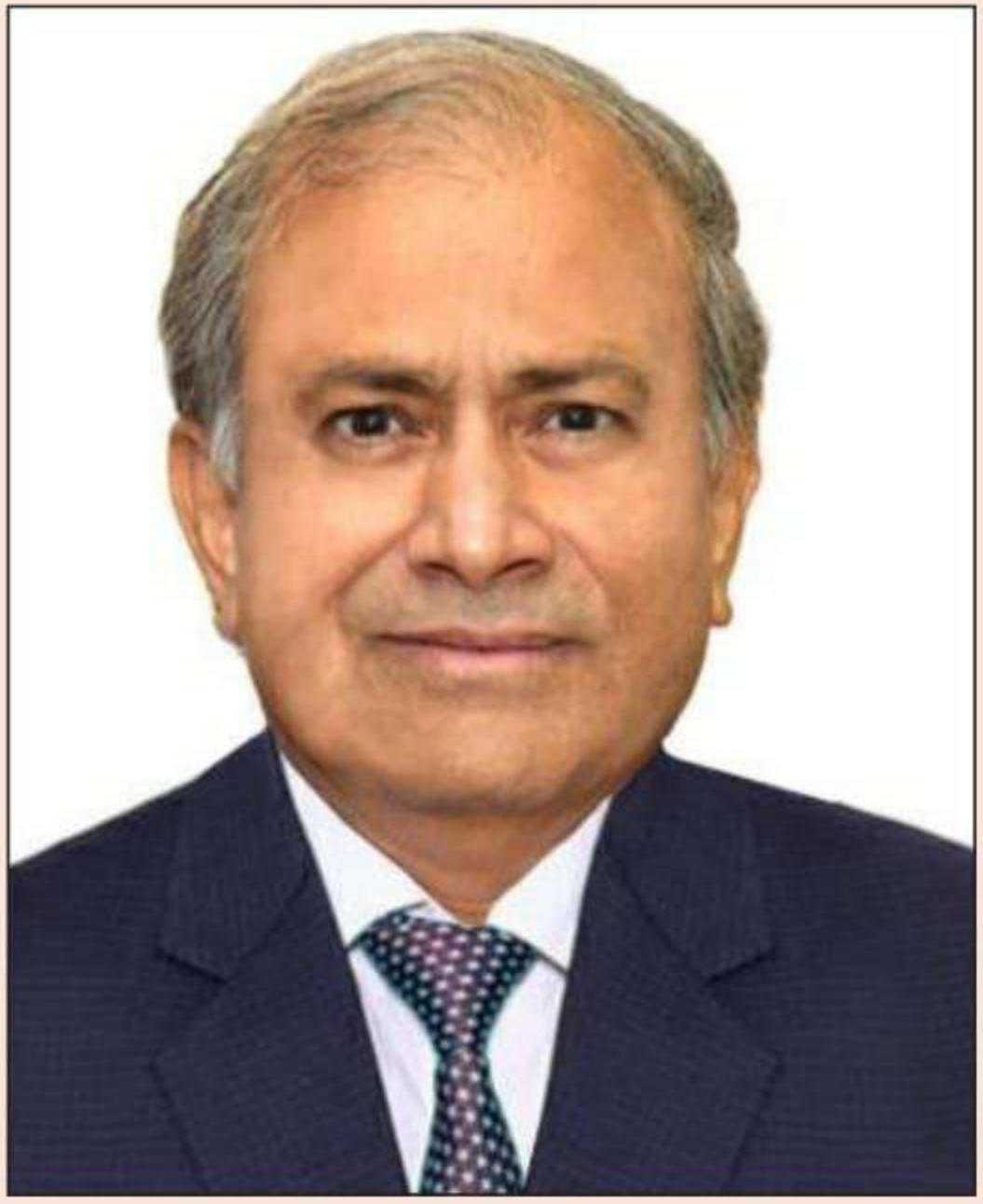

विश्व वन्यजीव दिवसः जीव जंतुओं के संरक्षण को लेकर सीएसए कुलपति ने जताई अपनी प्रतिबद्धता,

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था।इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम ÷लोगों और ग्रह को जोड़ना= वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज÷ है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के

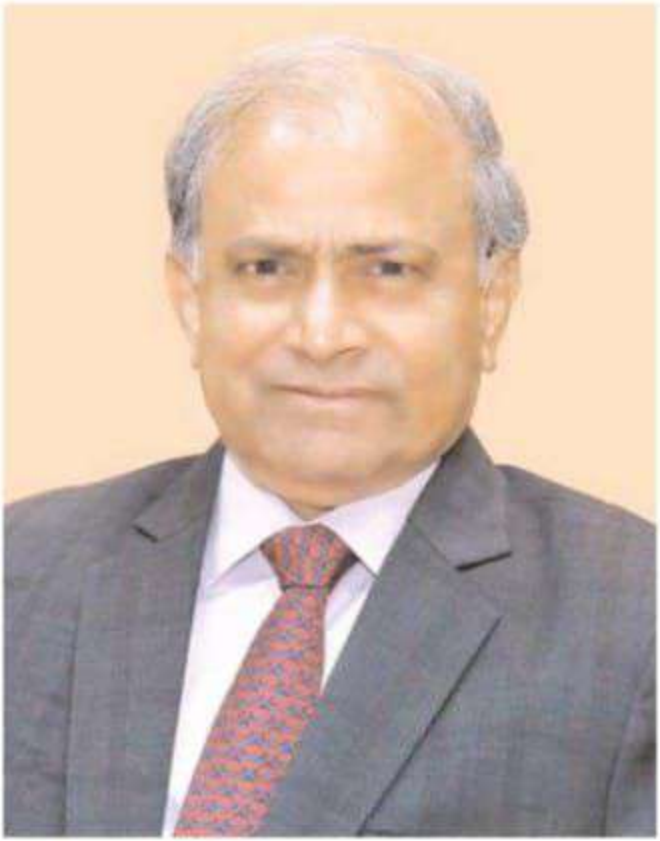

संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज़ा

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 196 | कानपुर, सोमवार 4 मार्च 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति जताई संवेदना

कानपुर–चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम लोगों और ग्रह को जोड़ना वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार

03 मार्च, 2024

अंक - 203

जीव जंतुओं के संरक्षण को लेकर सीएसए कुलपति ने जताई अपनी प्रतिबद्धता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया।

डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम लोगों और ग्रह को जोड़ना- वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की।

कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप

में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

एक्शन मोड में पीएम मोदी, 10 दिन में तेलंगाना... 12

लखनऊ फेडरेशन से पहुंचे एमडी ने चीनी मिल का... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 142
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 04 मार्च, 2024

विश्व वन्यजीव दिवस का उद्देश्य है जीव जंतुओं का संरक्षण

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने रविवार को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताने के साथ उनकी सुरक्षा के लिए संदेश दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम लोगों और ग्रह को जोड़ना वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने

का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन का संदेश दिया।जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने रविवार को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताने के साथ उनकी सुरक्षा के लिए संदेश दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम लोगों और ग्रह को जोड़ना वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन का संदेश दिया।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

Sunday 3rd March 2024 jksingh.hardoi@gmail.com website: satyakaasar.com
मोबाइल नंबर 9956834016

विश्व वन्यजीव दिवस: जीव जंतुओं के संरक्षण को लेकर सीएसए कुलपति ने जताई अपनी प्रतिबद्धता, दिया संदेश

Forwarded

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था।इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम "लोगों और ग्रह को जोड़ना: वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज" है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

अंक-10 कानपुर, सोमवार 4 मार्च 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

aajkakanpur aajkakanpur 83033 31758 aajkakanpur@gmail.com rediff aajkakanpur2014

जीव जंतुओं के संरक्षण को लेकर सीएसए कुलपति ने जताई अपनी प्रतिबद्धता, दिया संदेश

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर वन्य जीवों के प्रति संवेदना जताई साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु संदेश भी दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में पहला विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर के जीव जंतुओं का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम लोगों और ग्रह को जोड़ना- वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण करने वाले लोगों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि आज का दिन जीवन की अविश्वसनीय विविधता का जश्न मनाने और इसकी रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन

है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में नामित करने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने शिक्षकों,वैज्ञानिकों, छात्रों को वन्य जीव एवं वनस्पतियों के संरक्षण के दायित्वों के निर्वहन हेतु संदेश भी दिया।

युवाओं का जोश भरने पहुंचे प्रमुख महासचिव.

कानपुर । गाड़ियों की भीड़ कार्यकर्ताओं का जन सैलाब समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. फहद द्वारा